त्रिभुवन विश्वविद्यालय

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

मैथिली विषयक चारि वर्षक बी.ए. क

पाठ्यक्रम

२०७६

मैथिली विषयक चारि वर्षक बी.ए. क

पाठ्यक्रम पत्रगत रुपरेखा २०७६

पाठ्यक्रमक विषयगत उद्देश्य :

एहि पाठ्यक्रमक समष्टिगत अधोलिखित शैक्षिक एवं प्राज्ञिक योग्यता : सम्पन्न उच्च स्तरक जनशक्ति उत्पन्न करबे एकर उद्देश्य होयत :

- ज्ञान, शीप एवं क्षमताक विकास करबामे समर्थ होयत ।
- मैथिली भाषा एवं साहित्यमे भेल अद्यपर्यन्त शोधसँ उपलब्ध ज्ञानसँ मण्डित करब ।
- छात्र लोकनिकेँ कोनो नव परिस्थिति आ परिवेशमे सामंजस्य स्थापित करबाक लेल क्षमता प्रदान करब ।
- मैथिली लोक साहित्यक समस्त उपलब्ध सामग्रीक अध्ययन कराए ओक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक कौशलकेँ अभिवृद्धि करब ।
- मैथिली काव्य साहित्यक तीनू विधा (महाकाव्य, खण्डकाव्य, एवं मुक्तक) क प्रमुख रचनाकारक परिचय सँग समालोचनात्मक दक्षता प्रदान करब ।
- मैथिली गद्य एवं निबन्ध साहित्यक विकास क्रमक परिचय देबाक संगहि अध्येता लोकनिक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक कौशलकेँ अभिवृद्धि करब होयत ।
- मैथिली उपन्यास एवं नाटक विकासक्रम परिचयक संगहि एकर विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक शक्तिक विकास करब ।
- मैथिली काव्य शास्त्र एवं समालोचनाक विभिन्न पद्धति एवं भेदक सविस्तार सँ समीक्षात्मक क्षमता प्रदान करब ।
- शोध प्रविधिक ज्ञानक संगहि मैथिली भाषा, साहित्य एवं लोक साहित्य सम्बन्धी शोध कार्य करबाक हेतुएँ आवश्यक भूमिका प्रस्तुत करब ।
- नाटक, रंगमंच आ रंगकर्मक आधार पर ज्ञान, शीप आ चरित्रक विकास होयत ।
- मैथिली पत्रकारिता तथा साहित्यक विभिन्न विधासँ सिर्जनात्मक प्रतिभाक विकास कराओल जायत ।

मैथिली बी.ए. मे विद्यार्थी भर्नाक योग्यता :

उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद् सँ कोनो विषय लए दश जोड दू उत्तीर्ण वा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थासँ कोनो विषय एवं समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कयल विद्यार्थी लोकनि बी.ए. मैथिली विषयमे भर्ना भए सकैत अछि । भर्ना प्रक्रिया त्रि.वि. मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय डीनक कार्यालयक नियमानुसार होयत ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.व क्याम्पस
जनकपुरधाम

बी.ए. मैथिली विषयक पाठ्यक्रमक रुपरेखा :

पत्र संकेत (वर्ष)	पाठ्यक्रमक शीर्षक सभ	पूर्णाक
प्रथम वर्ष Maithili 421	मैथिली साहित्यक इतिहास	100
Maithili 422	भाषा विज्ञान एवं मैथिली भाषा	100
द्वितीय वर्ष Maithili 423	मैथिली काव्य	100
Maithili 424	मैथिली गद्य एवं रुपक	100
तृतीय वर्ष Maithili 425	मैथिली उपन्यास एवं नाटक	100
Maithili 410	मैथिली कार्यमूलक पत्र	100
चतुर्थ वर्ष Maithili 426	मैथिली काव्य शास्त्र एवं समालोचना	100
Maithili 427	शोध प्रविधि एवं लेखन	100

शिक्षण विधि :

प्रत्येक एकाइमे आवश्यकता अनुसार व्याख्यान, प्रश्नोत्तर छलफल, गृहकार्य, कक्षाकार्य आदिक प्रस्तुतीकरणक विधि सभक उपयोग कयल जायत । पाठ्यक्रमानुसार विद्यार्थी सभसँ समूहकार्य, व्यक्तिगत एवं समूहगत छलफल एवं प्रस्तुती जेहन प्रायोगिक कार्य दिश बेसी ध्यान दए पाठयांशक आवश्यकताक परिपूर्ति कयल जायत । कक्षाक स्थिति देखि विषय शिक्षक लोकनि शिक्षण विधिक निर्धारण करताह ।

मूल्यांकन प्रक्रिया :

उपर्युक्त पाठ्यांशक मूल्यांकनक प्रक्रिया दू प्रकारक होयत

(१) आन्तरिक मूल्यांकन

(२) वार्षिक परीक्षा

आन्तरिक मूल्यांकन :

आन्तरिक मूल्यांकनक लेल 30 अंक प्रदान कयल जायत । उक्त मूल्यांकन कार्य करबाक लेल कक्षा कोठामे नियमित उपस्थित, सहभागिता, प्रस्तुतीकरण, निपूणता, आन्तरिक लिखित परीक्षा आदिक आधार पर अंक प्रदान होयत ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग,
रा.रा.व. क्याम्पस
जनकपुरधाम

वार्षिक परीक्षा

- वार्षिक परीक्षा त्रि.वि. मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय सँ लेल जायत ।
- आन्तरिक मूल्यांकनमे अनुतीर्ण विद्यार्थी वार्षिक परीक्षामे सहभागी नहि भ' सकत ।
- वार्षिक परीक्षामे सहभागी होयबाक लेल कम्तीमे 70% प्रतिशत हाजरी अनिवार्य कयल गेल अछि ।
- प्रत्येक विषय 100 पूर्णांकक रहत । ई 100 अंक 70/30 मे विभाजित होयत ।
- वार्षिक परीक्षाक लेल विस्तृत उत्तरात्मक, संक्षिप्त उत्तरात्मक, सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्न सभ रहत ।

श्रेणी निर्धारण

प्रत्येक पत्रक परीक्षामे न्यूनतम 40% अंक प्राप्त कए उत्तीर्ण भेल विद्यार्थी कैँ कुल प्राप्तांकक श्रेणी विभाजन विद्या परिषद् सँ मानविकी संकायक लेल निर्धारण अनुसार होयत ।

विविध

(क) एहि पाठ्यक्रमक शैक्षिक सत्र 2076/2077 सं लागू होयत ।

(ख) एहि पाठ्यक्रमक पढाई वार्षिक प्रणाली अनुसार चारि वर्षमे पूरा होयत ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

पाठ्य शीर्षक : **मैथिली साहित्यक इतिहास**
पाठ्यांश कोड : Maithili 421
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

प्रथम वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- मैथिली साहित्यक काल विभाजन आधार, प्रयोजन एवं विभिन्न विद्वान लोकनिक विचार सभसँ परिचित कराओल जायत ।
- प्राचीन कालक उपलब्ध सामग्री सभ सँ परिचित कराओल जायत ।
- विद्यापतिक युग, कृति एवं हुनक प्रभावसँ समकालीन अन्य कवि लोकनिक परिचय देल जायत ।
- आधुनिक कालमे रचित गद्य एवं पद्यक रचनाक क्रम, ओकर स्वरुप एवं पृष्ठभूमि सँ अवगत कराओल जायत ।

Units		**पाठ घण्टा**
Unit-I	मैथिली साहित्यक काल विभाजनक आधार, एवं औचित्य काल विभाजन विभिन्न विद्वान लोकनिक विचार	8
Unit-II	आदि काल लोक साहित्य प्राचीनतम अभिलेख ज्योतिरीश्वर डाक-वचन साहित्यिक सामग्री एवं ओकर महत्व	10
Unit-III	मध्यकाल (क) विद्यापतिक पूर्ववर्ती कवि, विद्यापति विद्यापतिक उत्तरवर्तीक कवि मल्लकालीन साहित्य	20
	(ख) गोविन्ददास, मनबोधक कृतित्व एवं व्यक्तित्वक परिचय	20
	(ग) नेपालमे रचित मल्लकालीन नाटक एवं गीतक विवेचन मिथिलामे रचित कीर्तनियाँ नाटकक रचनाक पृष्ठभूमिक परिचय	20
Unit-IV	आधुनिक काल (क) आधुनिक कालक प्रारंभ एवं पृष्ठभूमिक परिचय	12

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
म.रा.ब क्याम्पस

(ख) मैथिली साहित्यक विकास मे पत्र पत्रिकाक योगदान 10
(ग) मैथिली नाटय रचनाक उद्‌भव आ विकास 15
(घ) पद्य साहित्यक विकास क्रमक परिचय, प्रमुख विधा- महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तक आदिक समीक्षात्मक परिचयक संगहि रचनाकार लोकनिक काव्यात्मक परिचय 15
(ङ) नेपालीय मैथिली साहित्यक आधुनिक कालक विविध चरण 20

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. डा. दुर्गानाथ झा श्रीश - मैथिली साहित्यक इतिहास, भारतीय पुस्तक केन्द्र, दरभंगा, १९९१, ई ।

२. डा. जयकान्त मिश्र - मैथिली साहित्यक इतिहास, साहित्य अकादमी दिल्ली, प्र.सं. १९९८ ई. ।

३. डा. निदेश कुमार झा - मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, मैथिली अकादमी पटना, द्वि.सं. १९८९ ई. ।

४. डा. प्रफुल्ल कुमार सिंह'मौन - नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास, मैथिली साहित्य परिषद विराटनगर, प्र.सं. १९७२ ई. ।

५. डा. राजेन्द्र प्रसाद विमल - मिथिलाको इतिहास, संस्कृति र कला परम्परा, हिमालय वुक स्टल, दिल्ली बजार, काठमाण्डौं, २०७२ साल ।

६. डा. देवकान्त झा - A History of Modern Maithili Literature, साहित्य अकादमी दिल्ली, प्र.सं. २००४ ई. ।

७. डा. उपेन्द्र ठाकुर - मिथिलाक इतिहास, मैथिली अकादमी पटना, द्वि.सं. १९९२ ई. ।

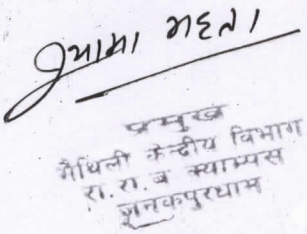

पाठ्य शीर्षक : **भाषा विज्ञान एवं मैथिली भाषा**
पाठ्यांश कोड : Maithili 422
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

प्रथम वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- भाषा विज्ञान, भाषिक वर्गीकरण, ध्वनि, नियम, भाषा परिवर्तनक कारण आदि सँ परिचित कराओल जायत ।
- मैथिली भाषाक विशेषता ध्वनि विचार अर्थ विचार तथा वाक्य विचार आदि सँ परिचित कराओल जायत ।

Units		**पाठ घण्टा**
Unit-I	भाषाक परिभाषा	30
	(१) भाषाक विशेषता	
	(२) भाषाक तह	
	(३) भाषाक भेदः भाषिका, प्रयुक्ति व्यक्तिभाषा	
	(४) भाषा विज्ञान, परिभाषा, क्षेत्र, तथा शाखा	
	(५) सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान आ प्रायोगीक भाषा विज्ञान	
	(६) समकालीन भाषा विज्ञान आ कालक्रमिक भाषा विज्ञान	
	(७) सामान्य भाषा विज्ञान आ वर्णनात्मक भाषा विज्ञान	
	(८) सूक्ष्म भाषा विज्ञान आ वृहत भाषा विज्ञान	
Unit-II	ध्वनि विज्ञान	30
	(१) ध्वनि विज्ञानक परिचय आ परिभाषा ।	
	(२) ध्वनि विज्ञानक शाखा	
	(३) औपचारिक ध्वनि विज्ञान	
	(४) श्रावणीक आ संचारिक ध्वनि विज्ञान ।	
	(५) ध्वनि अवयव आ कार्य	
	(६) खण्डीय आ खण्डेतर ध्वनि	
	(७) अक्षर परिचय, तथा मैथिली अक्षर संरचना	
Unit-III	वर्ण आ वर्ण विज्ञान	30
	(१) ध्वनि वर्ण आ सवर्ण	
	(२) वर्ण विश्लेषण सिद्धान्त	
	(३) वर्ण विश्लेषण प्रक्रिया	
	(४) रुप विज्ञान पृष्ठभूमि आ परंपरा	
	(५) रुप परिचय आ परिभाषा	

प्राज्ञिक परिषद्को कार्यालय
कीर्तिपुर
सामाजिक शास्त्र संकाय
डीनको कार्यालय
त्रि. वि., कीर्तिपुर
प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग

(६) रुप आ समरुप
(७) रुपक प्रकार
(८) मुक्तक रुप

Unit-IV रुप विश्लेषणक पद्धति : 30
(१) व्युत्पादन आ रुपायन
(२) व्याकरणीक कोटि
(३) व्याकरणीक कार्य
(४) पदावली
(५) उप वाक्य
(६) वाक्यक प्रकार
(७) आधारभूत वाक्य
(८) आन्तरिक तथा बाह्य संरचना
(९) रुपान्तरण नियम

Unit-V अर्थ विज्ञान 30
(१) अर्थ विज्ञानक क्षेत्र आ प्रकृति
(२) अर्थक प्रकार
(३) अर्थ सम्बन्धी सिद्धान्त
(४) आर्थि अभिलक्षणा
(५) शब्दक आर्थी सम्बन्ध
(६) अनेकार्थक्ता
(७) प्रकरण सिद्धान्त
(८) वाकक्रिया सिद्धान्त
(९) सम्वादात्मक तथा सहकार्यात्मक सिद्धान्त

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. भोला नाथ तिवारी - भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद ।
२. गोविन्द झा - मैथिली भाषाका विकास, विहार हिन्दी ग्रंथ, अकादमी पटना, अगस्त १९७४ ई. ।
३. डा.धीरेन्द्र नाथ मिश्र - मैथिली भाषा शास्त्र, भवानी प्रकाशन, पटना, जुलाई १९८६ ई. ।
४. गोविन्द झा - उच्चतर मैथिली व्याकरण, मैथिली अकादमी पटना, १९७९ ई. ।
५. गोविन्द झा - मैथिली भाषाका विकास, वि.ग्र.अ. पटना, १९७४ ई. ।
६. डा. सुनिल कुमार झा - Maithili some aspects of its's phonetic and phonology, Motilal Banarsi Das, Delhi, 2001.

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.सं. संस्कृत विश्वविद्यालय
जनकपुरधाम

पाठ्य शीर्षक : **मैथिली काव्य**
पाठ्यांश कोड : Maithili 423
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

प्रथम वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- मैथिली काव्य तथा कवि लोकनिक रचनागत वैशिष्ट्यसँ परिचय कराओल जायत ।
- मैथिली महाकाव्यक विश्लेषण संगहि समीक्षा शक्तिक अभिवृद्धि कएल जायत ।
- मैथिली खण्ड काव्यक परिचयक संगहि समीक्षा कौशलमे परिपक्वता आनबाक प्रयास कयल जायत ।
- नेपालक रचनाकार सँ परिचय कराओल जायत

Units **पाठ घण्टा**

Unit-I मैथिली कविता संग्रह 30

(१) सरहपाद : चर्चा गीत
(२) विद्यापति, पद संख्या : १,३,५,६,११,१७,२१
(३) उमापति : पाषाण हृदया, र्धानक विशेष
(४) वंशमणि झा : अपूर्व नाच
(५) जगज्जयोतिर्मल्ल : गणेशक नचारी, सूर्यक नचारी
(६) जगत प्रकाश मल्ल : बसन्त
(७) गोविन्द दास : नवधा, कुसुम वन्दना
(८) मनवोध : शिशु
(९) चन्दा झा : तीन गाही मुक्तक पांच गाही धरि 15
(१०) सीताराम झा : परिचय पूँज
(११) बदरीनाथ झा : संध्या वर्णन
(१२) काशीकान्त मिश्र मधुप : छूतहर
(१३) सुरेन्द्र झा सुमन : साओन भादव
(१४) वैद्यनाथ मिश्र यात्री : फेकनी
(१५) यदुवंश लाल चन्द : नेपालक एक झाँकी 15
(१६) पं. सुरेश झा : उन्नत मिथिला
(१७) मथुरा नन्द चौधरी माथुर : बारीक लत्ती
(१८) पं.श्री कृष्ण मिश्र : जनकपुर धामक महिमा
(१९) राज कलम चौधरी : महावन 10

(२०) सुन्दर झा शास्त्री : प्रभात गीत
(२१) डा. धीरेन्द्र : गुरु द्रोणक प्रति
(२२) राजेन्द्र प्रसाद विमल : कहिया धरि

Unit-II	कािल्ह आ आई (कविता संग्रह) डा धीरेन्द्र : कािल्ह आ आई, ९, १०, १६, ३०, ४४, ५४	20
Unit-III	महाकाव्य त्रिपुण्ड (पहिल, दू सर्ग) मिथिला भाषा रामायण (अयोध्या काण्ड) मिथिला महाकाव्य (पहिल, दू अध्याय)	30
Unit-IV	खण्डकाव्य व्यथा (पहिल, दू सर्ग) एकलव्य	30

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. आन्नद मिश्र एवं अन्य (सं.) - कविता संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९९२ ई. ।
२. राम भरोस कापडि भ्रमर(सं) - मैथिली कविता संग्रह, नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान, काठमाण्डौं वि.स. २०५८ ।
३. डा. धीरेन्द्र - कािल्ह आ आई (कविता संग्रह), साधना प्रकाशन, मधुवनी, १९९९ ई. ।
४. डा. धीरेन्द्र - त्रिपुण्ड, साधना प्रकासन, मधुबनी, ... ई.।
५. चन्दा झा - मिथिला भाषा रामायण, मै. अकादमी पटना ।
६. पं.सुरेश झा - मिथिला महात्म्य, अखिल नेपाल मैथिली साहित्य परिषद्, काठमाण्डौं ।
७. रमाकान्त झा - व्यथा, जनकपुरधाम ।
८. श्री अमरेन्द्र मिश्र - एकलव्य, मैथिली ग्रन्थमाला प्रकाशन दरभंगा, १९८० ई. ।
९. डा. दिनेश कुमार झा - मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, १९८९ ई. ।
१०. डा. भीम नाथ झा - परिचायिका, भवानी प्रकाशन पटना, १९८५ ई. ।
११. डा. शिव शंकर झा कान्त - मैथिली महाकाव्यक उद्भव आ विकास, मैथिली अकादमी पटना, १९७८ ई. ।
१२. डा. सुरेश्वर झा - मैथिली काव्यक विकास, साहित्य अकादेमी, दिल्ली १९९८ ई. ।

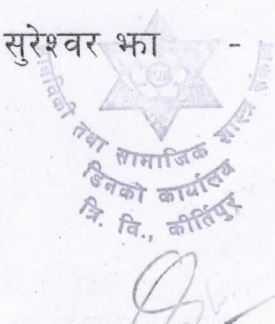

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.व क्याम्पस
जनकपुरधाम

पाठ्य शीर्षक : **मैथिली गद्य एवं रुपक**
पाठ्यांश कोड : Maithili 424
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

द्वितीय वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- मैथिली गद्य साहित्यक परिचय, गद्य एवं रुपकक विकासक्रम, भेदोपभेद एवं शैली सँ परिचित कराओल जायत ।
- रचनागत शिल्प एवं साहित्यकार लोकनिक परिचय संग गद्य एवं रुपकक विषयमे ज्ञान हासिल कराओल जायत ।
- निर्धारित निबन्धक शास्त्रीय विश्लेषण, व्याख्या एवं समीक्षा कौशल सँ अवगत कराओल जायत ।

Units **पाठ घण्टा**

Unit-I मैथिली कथा संग्रह सँ 75

(१) सामाक पौती - गोविन्द झा
(२) झगडा - मनमोहन झा
(३) ओवर लोड - ललित
(४) हिचुकैत बहैत सेती - डा. धीरेन्द्र
(५) साँझक गाछ - राजकमल चौधरी
(६) एकटा धधकैत भविष्य - डा. राजेन्द्र प्रसाद विमल
(७) तोरा संग जयबै रे कुजबा - राम भरोस कापडि भ्रमर
(८) शेष विकल्प - रेवती रमण लाल
(९) दीयरि - रा.ना. सुधाकर
(१०) अंकुर - भुवनेश्वर पाथेय
(११) गोनु झा के बिलाइ - डा. गंगा प्रसाद अकेला
(१२) मेल मिलाप - डा. गंगा प्रसाद अकेला
(१३) लिखलाहा - डा. गंगा प्रसाद अकेला
(१४) पूर्व जन्मके फल - डा. गंगा प्रसाद अकेला
(१५) कथा - राम भद्र
(१६) अगराही - रेवती रमण लाल
(१७) आक्रोश - उपाध्याय भूषण
(१८) मधुरमनि - कांचीनाथ झा किरण
(१९) विहांडि - कुमार गंगानन्द सिंह

परीक्षा परिषद्को कार्यालय कीर्तिपुर
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय डिनको कार्यालय त्रि. वि., कीर्तिपुर
प्रमुख मैथिली केन्द्रीय विभाग रा.रा.ब. क्याम्पस जनकपुरधाम
मैथिली केन्द्रीय विभाग

(२०) चोट - राजेन्द्र किशोर

Unit-II निबन्ध (संकलन सँ) 75

(१) समीक्षावृति - प्रो.रमानाथ झा
(२) साहित्य ककरा कही - डा. सुभद्र झा
(३) सभ्यता ओ संस्कृति - दामोदर झा
(४) मिथिलाक सांस्कृति परम्परा - डा. अमरेश पाठक
(५) सीता नवमी - प्रा. भोला झा
(६) मैथिली पत्रकारिता - प्रा. प्रफुल्ल कुमार सिंह मौन
(७) मैथिली कथामे गद्यक विकास - मोहन भारद्वाज
(८) मैथिली ओ नेपालक भाषा साहित्य - संस्कृत पारस्परिक प्रभाव - डा. जयकान्त मिश्र
(९) मैथिली शिक्षणक भविष्य खोज पड़त - राम भरोस कापडि भ्रमर
(१०) समकालीन उपन्यासमे लोक तत्व - अरुण कुमार कर्ण
(११) साहित्यक मर्यादा - पुलकित लाल दास मधुर
(१२) राजनीति आ समाजनीति - भोला लाल दास
(१३) भारतीय दर्शन महत्व - प्रो. हरिमोहन झा
(१४) कविवर चन्दा झा - जयदेव मिश्र
(१५) पीयर आंकुर - मणि पद्मम

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. डा. अमरेश पाठक (सं.) - मैथिली कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८७ ई ।
२. डा. अमरेश पाठक(सं.) - कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८८ ई।
३. डा. धीरेन्द्र(सं.) - नेपालक प्रतिनिधि मैथिली गल्प, जानकी पुस्तक भंडार, जनकपुरधाम २०३८ साल ।
४. गंगा प्रसाद कलेला(सं.) - मिथिलाञ्चलक किछुलोक कथा (मैथिली लोक कथा संग्रह) नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान काठमाण्डौं, २०५५ साल ।
५. डा धीरेन्द्र (सं.)- मैथिली गद्य संग्रह, ने.रा.प्र., काठमाण्डौं २०५६ साल ।
६. प्रा. भोला झा(सं.) - निबन्ध संग्रह, भूपेन्द्र कुमार झा, २०६१ साल ।
७. शैलेन्द्र मोहन झा, एवं अन्य - संकलन (निबन्ध-संग्रह) मैथिली अकादमी पटना, पाँचम सं १९८८ ई. ।
८. राम भरोस कापडि भ्रमर- तोरा संग जयबौ रे कुजबा, (कथा संग्रह), मै. अ. पटना
९. भीमनाथ झा - परिचायिका, भवानी प्रकाशन पटना, १९८५ ई. ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.व क्याम्पस
जनकपुरधाम

पाठ्य शीर्षक : **मैथिली उपन्यास एवं नाटक**
पाठ्यांश कोड : Maithili 425
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

तृतीय वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- मैथिली उपन्यासक परिचय, भेदोपभेद एवं तत्वक विश्लेषण पद्धतिसँ परिचित कराओल जायत ।
- निर्धारित उपन्यासक कथावस्तु, चरित्र चित्रण, विश्लेषणात्मक व्याख्या, समीक्षा आदि सँ परिचित कराओल जायत ।
- मैथिली नाटक एवं एकांकीक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक अभिवृद्धि कराओल जायत ।
- निर्धारित नाटक एवं एकांकीक कथा वस्तु, व्याख्या, सारांश, चरित्र-चित्रण, एवं समीक्षा कौशलक अभिवृद्धि कराओल जायत ।

Units		पाठ घण्टा
Unit-I	उपन्यास (१) भुलमानुस (२) भोरुकवा (३) दूध फूल	50
Unit-II	नाटक (१) हर गौरी विवाह (२) सीता (३) सूलीपर इजोत (४) परीक्षाफल (५) भफाइत चाहक जिनगी	50
Unit- III	एकांकी (१) घटकक पराभव (२) हाथीक दाँत (३) पहिली तारिख (४) ब्रहमस्थान (५) शस्त्र ओ शास्त्र	50

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

(६) डाइन कोशी
(७) फोकट
(८) अयाची मिश्र
(९) जीवन संघर्ष
(१०) पिपासा

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. योगानन्द झा - भलमानुस, मैथिली अकादमी पटना, १९८७ ई. ।
२. डा. धीरेन्द्र - भोरुकवा, साधना प्रकाशन मधुबनी, द्वि.स. १९८४ ई. ।
३. रमानन्द रेणु - दूध फूल, मिथिलांचल प्रकाशन दरभंगा, द्वि.स. १९८५ ई. ।
४. जगज्ज्योतिर्मल्ल सं.राम देव झा - हरगौरी विवाह, नूतन पुस्तक भवन, दरभंगा, १९८८ ई. ।
५. राम भरोस कापडि भ्रमर(सं.)- मैथिली नाटक संग्रह, जनकपुर, ललितकला प्रतिष्ठान, जनकपुरधाम, २०६६ साल ।
६. सुधांशु शेखर चौधरी (सं.)-भफाइत चाहक जिनगी, शेखर प्रकाशन पटना, १९९१ ई.।
७. सुरेन्द्र झा सुमन एवं अन्य (सं.)-एकांकी संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९८६ ई. ।
८. डा. भीम नाथ झा - परिचायिका, भवानी प्रकाशन पटना, १९८५ ई. ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

पाठ्य शीर्षक : **मैथिली कार्यमूलक पत्र**
पाठ्यांश कोड : Maithili 410
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

तृतीय वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- सिर्जनात्मक प्रतिभाक विकासक संग मैथिली पत्रकारिता सँ परिचित कराओल जायत ।
- साहित्यिक विभिन्न विधासँ परिचय कराओल जायत ।

Units		**पाठ घण्टा**
Unit-I	मैथिली पत्रकारिता - पत्रकारिताक सामान्य सिद्धान्त - मैथिली पत्रकारिता - समाचार तथा साप्ताहिक पत्रकारिताक अभ्यास	25
Unit-II	मैथिली वाकक कला - विविध आ - सिद्धान्त	25
Unit- III	अनुवाद (हितोपदेश) -हितोपदेश (संस्कृत सँ) मैथिली मे अनुवाद	30
Unit-IV	मैथिली रंगमंच –मैथिली रंगमंचक परम्परा आ वर्तमान स्थिति -मैथिली लोकनाट्य परम्पराक अध्ययन	30
Unit-V	मैथिली लोक साहित्य -मैथिली लोक साहित्यक विशेषता -परम्परा आ -स्वरुप	40

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. चन्द्र नाथ मिश्र अंमर - मैथिली पत्रकारिताक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, १९८१ ई. ।

२. गोविन्द झा एवं अन्य (सं.) - पूर्वाचलीय गीति साहित्य, चेतना समिति पटना, १९७९ ई. ।

३. डा. बासुकी नाथ झा (कार्यकारिणी सं.) - पूर्वाचलीय नाटक ओ रंगमंच, चेतना समिति, पटना, १९७७ ई. ।

४. डा. रेवती रमण लाल - मैथिली लोक साहित्यक स्वरुप, सीता मिडिया प्रा.लि. २०६५ साल ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग

पाठ्य शीर्षक : **मैथिली काव्यशास्त्र एवं समालोचना**
पाठ्यांश कोड : Maithili 426
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

चतुर्थ वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150

पाठ्यांशक उद्देश्य

- काव्यशास्त्रक अंग उपांगक संगहि काव्यक परिभाषा, भेदोपभेद तथा रस-गुण ध्वनि सँ परिचय कराओल जायत ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्रक स्वरुप सँ परिचित कराओल जायत
- समालोचनाक स्वरुप, गुण, एवं पद्धिति सभसँ परिचित कराओल जायत ।

Units		**पाठ घण्टा**
Unit-I	काव्य परिभाषा (१) भामह, वामन, आनन्द वर्द्धन, विश्वनाथ, मम्मट, जगन्नाथ आ मैथिली काव्य शास्त्री लोकनिक काव्यक परिभाषा । काव्यक हेतु एवं प्रयोजनक निरुपण । (२) शब्द शक्ति - अविधा, लक्षणा, व्यंजनाक परिभाषा एवं भेदोपभेद । (३) रस सम्प्रदाय - रस सम्प्रदायक परिचय -रस शूत्रक आधारभूत व्यवस्था तथा रस सामग्रीक परिचय । -रस निष्पतिक प्रमुख मान्यताक संक्षिप्त निरुपण । -नव रसक उदाहरण सहित परिचय । (४) ध्वनि सम्प्रदाय - ध्वनि सम्प्रदायक संक्षिप्त परिचय । -ध्वनि सिद्धान्तक स्थापना वस्तु अलंकार आ रस ध्वनि । -ध्वनि आ गुणीभूत व्यंग ।	50
Unit-II	वक्रोक्ति सम्प्रदाय - वक्रोक्तिवादक मुख्य मान्यता (१) अलंकार सम्प्रदायक परिचय (२) अलंकार सम्बन्धी मूलभूत मान्यता तथा प्रमुख वर्गीकरण (३) साहित्यमे शब्दालंकार तथा अर्थालंकारक भूमिका (४) रीति सम्प्रदाय- सिद्धान्तक मुख्य स्थापना आ रीति तथा गुणक सम्बन्ध, रीति तथा गुणक मुख्य भेद	30

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

Unit- III रीतिपरक समालोचना 20

प्लेटोक काव्य सम्बन्धी मान्यता, कलावाद विरुद्धक रीतिवादी स्थापना, नव मानववादक रीतिपरक स्थापनाक सैद्धान्तिक परिचय ।

(१) मनोविज्ञानपरक समालोचना, फ्रायड, एडलर, युग मूल्यांकनक मनोवैज्ञानिक स्थापनाक परिचय

(२) समाजपरक समालोचना

- -टेनक जाति आ युग सम्बन्धी स्थापना
- -मार्कसक समाज विकासक चारि चरण तथा वर्ग द्वन्द्व सम्बन्धी मुख्य मान्यता

Unit-IV आदिमत परक समालोचनाक 50

मनोवैज्ञानिक तथा सांस्कृति मान्यता

रुप परक समालोचना

शैली वैज्ञानिक समालोचना

Unit-V परिष्कारवाद, यर्थाथवाद, प्रकृतवाद, प्रभाववाद, प्रतीकवाद, यर्थाथवाद अति-यर्थाथवाद, अस्तित्ववाद प्रमुख मान्यता, शक्ति आ सीमा तथा मैथिली साहित्यमे प्रभाव 40

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. डा. धीरेश्वर झा धीरेन्द्र - काव्य शास्त्रक रुपरेखा, जनकपुर अंचल शिक्षा समिति, जनकपुरधाम, २०३६ साल ।

२. सुरेन्द्र झा सुमन - अलंकार मालिका, मैथिली मन्दिर दरभंगा, तृ.सं. १९८९ ई. ।

३. हरि सुवेदी - पाश्चात्य काव्य शास्त्र, रा.प्र. प्रतिष्ठान, काठमाण्डौं ।

४. दिनेश कुमार झा - मैथिली काव्यशास्त्र, मैथिली अकादमी पटना ।

५. देशराज भाटी - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र, अशोक प्रकाशन, दिल्ली १९७९ ई. ।

६. डा. वासुदेव त्रिपाठी - पाश्चात्य समालोचनाको सैद्धान्तिक परम्परा भाग - २, साझा प्रकाशन, काठमाण्डौं पाँचौ सं. २०६५ साल ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

पाठ्य शीर्षक : **शोध प्रविधि एवं लेखन**
पाठ्यांश कोड : Maithili 427
पूर्णांक : 100
उत्तीर्णांक : 40

चतुर्थ वर्ष
तह : बी. ए.
पाठ् घण्टा :150
(क) शोध प्रविधि - 50
(ख) लेखन - 50

पाठ्यांशक उद्देश्य

- शोध प्रविधि सम्बन्धी आवश्यक तत्वसँ परिचय कराओल जायत ।
- शोध प्रवृत्ति जाग्रत कए शोध कार्य करबाक प्राविधिक आधार प्रदान कएल जायत ।

(क) शोध प्रविधि

Units		पाठ घण्टा
Unit-I	शोधक सामान्य परिचय, परिचर्चा एवं उपयोगिता	20
Unit-II	शोध प्रस्ताव : विषयगत शीर्षक चयन, समस्याक उपस्थापन एवं पूर्व कल्पना, उद्देश्य, पूर्व कार्य (कृति)क समीक्षा, औचित्य, शोध विधि, शोध कार्यक प्रारुप ।	30
Unit- III	साहित्य सामग्री संकलन आ एकर पद्धति	25
Unit-IV	अनुसंधान प्रतिवेदन	25

(ख) लेखन 50

कोनो एक गोट शीर्षक छनौट कए शोध लेख तैयार कए प्रस्तुत करब ।

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

सन्दर्भ ग्रन्थ

१. प्रा. मोहन राज शर्मा - शोध विधि, साझा प्रकाशन, काठमाण्डौ, तेश्रो सं. २०६२ साल ।

२. चुडामणि बन्धु - अनुसंधानको रुप र शैली, पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, त्रि.वि. कीर्तिपुर ।

३. मोहन राज शर्मा, खगेन्द्र लुईटेल (सं) - शोध विधि साझा प्रकाशन, काठमाण्डौं ।

४. प्रा.डा. गोपाल शिवाकोटी - अनुसन्धान पद्धति र प्रतिवेदन लेखन, पैरवी प्रकाशन, काठमाण्डौं, दो.सं. २०६६ साल ।

५. प्रा.डा. पेशल दहाल, सोम प्रसाद अतिवाडा - अनुसन्धान पद्धति, एम.के पब्लिसर्स एण्ड डिष्ट्रीव्युटर्स, काठमाण्डौं ।

मैथिली केन्द्रीय विभाग
रामेश्वर रामसागर बहुमुखी क्याम्पस
जनकपुरधाम

प्रमुख
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा.रा.ब क्याम्पस
जनकपुरधाम

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय
डिनको कार्यालय
त्रि. वि., कीर्तिपुर

प्राज्ञिक परिषद्को कार्यालय
कीर्तिपुर